Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. पंचमहायज्ञों का वर्णन कीजिए।

2. पुराण किसे कहते हैं? पुराणों में किस प्रकार के वर्णन प्राप्त होते हैं? अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।

3. वेदत्रयी का विस्तृत परिचय लिखिए।

4. कर्मकाण्ड की वैज्ञानिकता का विस्तार से विश्लेषण कीजिए।

5. उपनयन संस्कार का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. गृहारम्भ तथा गृहप्रवेश को परिभाषित करते हुए इनके मुहूर्त का वर्णन कीजिए।

2. सन्ध्योपासन पर टिप्पणी लिखिए।

3. वरवरण क्या है? इसके मुहूर्त का विश्लेषण कीजिए।

4. पितृ यज्ञ का महत्त्व अपने शब्दों में लिखिए।

5. कर्मकाण्ड के उद्‌गम अथवा स्रोत पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. अथर्ववेद का परिचय लिखिए।

7. सामवेद के वर्णनों में क्या पाया जाता है? उदाहरण सहित लिखिए।

8. नित्यकर्म विधि पर टिप्पणी लिखिए।